

संपादकीय

कैसे लगे आतंक पर रोक

न ये दिल्ली में पिछले सप्ताह हुए दो दिवसीय 'नो ममी फॉर ट्रेर' कार्प्रॉफ्स में भारत ने जिस तरह के सख्त रुख का परिचय दिया था वह इस बात का संकेत है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के नये चरण में ढलमुल रखें के लिए, कोई गुणात्मक नहीं छोड़ी जाएगी। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ देशों ने आतंकवाद के समर्थन को अपनी विदेश नीति का हिस्सा बना लिया है और कुछ आतंकवादियों के खिलाफ कानून का रुक़वा कर इसे परोक्ष समर्थन देते हैं। पांच मोदी ने किसी देश का नाम भले नहीं लिया हो, लेकिन उनका सष्टु इशारा पाकिस्तान और चीन की ओर था। चीन ने पिछले कुछ महीनों में जिस तरह से एक पाकिस्तानी आतंकवादियों को संयुक्त राष्ट्र की काली सूची में डाले जाने से बचाया है, वह जागजार है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी इतना ही कह नहीं सके। उन्होंने कहा कि जो भी देश आतंकवाद का समर्थन करते हैं, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़े। भारत के इस कड़े रुख की अहमियत इस लिहाज से भी है कि वह नो ममी फॉर ट्रेर सम्मेलन के मंच से समाप्त आया है। 2015 में परिस में हुए भीषण आतंकी हमले की वृष्टिभूमि में फ्रांस ने 2018 में पहली बार इस सम्मेलन का आयोजन किया था। तब से हालांकि वह तीसरा ही आयोजन है। इस सम्मेलन का, लेकिन फिर भी सष्टु है कि वह आतंकवाद के विरोध का एक प्रभावी मंच बन सकता है। ध्यान रखे, पाकिस्तान इसका सदृश्य नहीं है, जबकि चीन ने इसमें

विदेशीयों का मानना है कि तमाम बाधाओं के बावजूद संयुक्त प्रस्तावों के तहत जो कुछ ठीक बहिर्भूत लगायी जा सकी, उन्हीं का नतीजा है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों से थोड़ी दाहत महसूस की जा रही है।

अपना कोई प्रतिनिधि नहीं भेजा। लेकिन जिन 72 देशों के प्रतिनिधि इसमें सम्मिलित हुए थे, पूरी शिद्दत से आगे बढ़े तो आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ा सकते हैं। इस लड़ाई का सबक अहम पहलू है विभिन्न देशों और उनकी एजेंसियों के बीच तालमेल और आतंकवादियों तक पहुंचने वाली आधिक मदद पर प्रभावी रोक। विशेषज्ञों का मानना है कि तमाम बाधाओं के बावजूद संयुक्त प्रस्तावों के तहत जो कुछ ठीक बहिर्भूत लगायी जा सकती है, उन्हें की जाए तो वह भारत में पिछले कुछ वर्षों से थोड़ी राहत महसूस की जा रही है। इन बहिर्भूतों के प्रस्ताव का ही एक सूखत यह थी है कि आजकल संयुक्त राष्ट्र के मंच से ऐसी कार्रवाइयों को स्कवाने के लिए आतंकी संठन और उनको हमलदंद शक्तियां पूरा जोर लगाये दे रही हैं। इसी संदर्भ में भारत का प्रस्ताव खाली अहम हो जाता है, जो गुहमंती अमित शह ने सम्मेलन के समाप्त सत्र को संबोधित करते हुए रखा कि इस सम्मेलन का एक स्थायी सचिवालय बनाया जाये, जो विभिन्न देशों की ओर से आतंकवाद के खिलाफ उठाए जा रहे कदमों में तालमेल बनाये रखे, ताकि उनके संवर्णण नतीजे सुनिश्चित किये जा सकें। उम्मीद की जानी चाहिए कि सदस्य राष्ट्र इस प्रस्ताव पर पॉजिटिव ढंग से विचार करें।

अभिमत आजाद सिपाही

शायद ही कोई कानून या कोई दिशा-निर्देश है जो घरेलू हिंसा या कार्य स्थल पर या फिर घरेलू आधार पर यौन उत्पीड़न से किसी पुरुष की रक्षा करता है। यह भेदभाव हर क्षेत्र में देखा जा सकता है, लेकिन घरेलू और वैवाहिक कानून लाप्पावाही से महिलाओं के पथ में है। हमारी अदालतें कार्यस्थल या घर पर घरेलू हिंसा, दहेज और यौन उत्पीड़न जैसे मामलों से भरी पड़ी हैं। आश्वर्यजनक रूप से पुरुषों द्वारा दायर किये गये मामले दुर्लभ या नगण्य हैं और इसका कारण हमलदंद व्यवस्था, कानून और हमारी विचार क्रिया है।

अनु शर्मा

हम सभी महिलाओं के अधिकारों के बारे में जानते हैं और हमारा कानून इस तरह से बनाया गया है कि यह केवल महिलाओं की रक्षा करता है। यह भेदभाव हर क्षेत्र में देखा जा सकता है, लेकिन घरेलू और वैवाहिक कानून लाप्पावाही से महिलाओं के पथ में है।

जया शर्मा

शायद ही कोई कानून या कोई दिशा-निर्देश है जो घरेलू हिंसा या कार्य स्थल पर या फिर घरेलू आधार पर यौन उत्पीड़न से किसी पुरुष की रक्षा कर सके। एक महिला होने के नाते मैं भारतीय कानून और न्यायपालिका का समान करती हूं, लेकिन मेरा यूद्ध का भरा माना है कि हम महिलाएं, सब कुछ पुरुषों के बावजूद कर सकती हैं, तो हम लैंगिक समानतावाद में व्यवसाय करने नहीं कर सकतीं? महिला सशक्तिकरण समानता की भावना के साथ होता है, लेकिन जब घरेलू स्तर पर या कार्यस्थल पर कोई समस्या होती है, तो हमें पीड़ित की भूमिका करने पड़ती है।

न्यूकॉर्क कानून और समाज द्वेष के बारे में बात करने नहीं कर सकतीं। महिला

आय

और संपत्ति के मामले में कौन कमज़ोर है, यह तय करने के लिए एक कानून होना चाहिए।

कानून के साथ होता है, लेकिन जब घरेलू स्तर पर या कार्यस्थल पर कोई समस्या होती है, तो हमें पीड़ित की भूमिका करने पड़ती है।

न्यूकॉर्क कानून और समाज द्वेष के बारे में पापक होता है।

इसलिए कई बार ज़ुटी शिकायतें दर्ज की जाती हैं और कोई बच नहीं पाता। महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा कुछ अलग दिशा ले रही है। अदालतें ज़ुटे मुकदमों से भरी पड़ी हैं।

कानून के साथ होता है।

लोहरदगा/लातेहार

प्रधानमंत्री सड़क योजना में घोर अनियमितता, ग्रामीणों में रोष

सुरगन जिले पर वनपाल परन्याति तिवारी ने नायाएँ और पहाड़ियों ने अवैध बोर्ड को जब दिया।

आदर्श कुमार

गारू। गारू प्रखण्ड अंतर्गत प्रधानमंत्री सड़क योजना के द्वारा रामसरती नावाटीली से पहाड़ियों को रोड एवं वारेसाठ बस्स रस्टेंड से मायापुर रोड तक कार्य कराया जा रहा है। जिसकी लंबाइ ३५३८.५२३ कि.मी. ऐ.एवं ४.००६ कि.मी. है। सड़क कार्य ए.एक.एंड आर के वेंचर जे भी कट्टरन के द्वारा कराया जा रहा है। सड़क निर्माण कार्य में संवेदक द्वारा भारी अनियमितता बरती जा रही है। सड़क के किनारे बगल से ही रैयतों के मिट्टी का कटाव कर सड़क निर्माण कार्य में वन विभाग



से अवैध बोर्डर का धड़लने से प्रयोग किया जा रहा है। जिसकी सूचना मिलने पर वन परमपात्र तिवारी ने मायापुर अनियमितता बरती जा रही है। सड़क के किनारे बगल से ही रैयतों के मिट्टी का कटाव कर द्वारा भारी अनियमितता बरती जा रही है।

किसान गोष्ठी और फसल प्रदर्शनी का आयोजन



आजाद सिपाही संवाददाता

चंदवा। चंदवा के गांव में किसानों के बीच किसान गोष्ठी एवं फसल प्रदर्शन का आयोजन किया गया, कंगनी के सेल्स ऑफिसर गौरव सिंह ने किसानों को कहा की एस 4003 धान दो नंबर जीपीन में अधिक उपज देने वाला धान है एस 4003 का बाली लम्ही एवं घनी होती है और दोने वजनदार होते हैं जिससे एक एकड़ जीपीन में दूसरे धान के अपेक्षा पाच किलोटल ज्यादा उपज देती है। बहीं बोरीगांव और जिलिंग के किसानों ने कहा की धान के बीमारी और एस 4003, मक्का एन्के 30, एके 7328 के गुणवत्ता के बारे में भी बताया इस किसान गोष्ठी में चंदवा स्थानीय तुकनदार राजेश राम, संदीप कुमार, मुकेश नाथ, शाहबाद आलम, योगेश अने वाले खरीफ सीजन में हमलोग एस 4003 लगाएँ और दूसरों को भी प्रेरित करें। किसानों ने एक स्कर में नारा दिया और कहा है कि जिलिंग स्कूली विद्यार्थियों के लिए प्रदान स्तरीय दो

मतदाता जागरूकता शिविर का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची में युवा मतदाताओं को नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार शेखर कुमार एवं बीजाओं के नेतृत्व में कस्तुरा गांवी लिंक उच्च विद्यालय, लातेहार में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कंगनी के सेल्स ऑफिसर गौरव सिंह ने किसानों के बीच धान में लगाने वाले मुख्य रोग बीमारी फाल्स स्पैट, ताना, बीपीएच, बीएसबी, जेम्स लक्षण एवं उक्से रोक थाम के बारे में विस्तृत रूप से बताया, साथ ही घनी होती है और दोने वजनदार होते हैं जिससे एक एकड़ जीपीन में दूसरे धान के अपेक्षा पाच किलोटल ज्यादा उपज देती है।

युवा मतदाताओं को मतदाता की आवश्यकता उनकी भूमिका एवं पंजीयन के संबंध में जानकारी दी गयी। इस दौरान जानकारी देते हुए, कहा गया की वर्तमान में जिनकी उप्र-17 वर्ष है तथा आगामी वर्ष 2023 की जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण होगी ऐसे नवीन मतदाताओं को मतदाता सूची में आया लिंक करने से संबंधी जानकारी दी गयी।



यू डाइस प्लस की ऑनलाइन प्रविष्टि हेतु कार्यशाला आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड शिक्षा परियोजना, लोहरदगा के तत्वाधान में सभी बीपीओ, सीआरपी, एमआईएस कोऑर्डिनेटर, रिसोर्स टीचर, सहायक और कनीय अधिकार्यों आदि की यू डाइस प्लस 2022-23 की ऑनलाइन प्रविष्टि हेतु कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यालय सभागार में जिला कार्यालय पदाधिकारी, लोहरदगा की अधिक्षकता में की गयी। उक्त प्रशिक्षण सत्र में एसपीओ, श्याम कुमार चौधरी द्वारा ऑनलाइन कार्यालय के आधार पर ही यू डाइस प्लस का नामकान और छात्रों का अन्य डेटा भरा जाना है। अतः प्रविष्टि की जानकारी स्टेप दर स्टेप दी गयी। जिसमें सभी सरकारी, और सरकारी, निजी और सहायता प्राप्त 1 से 12 तक सचालित विद्यालयों की सम्पूर्ण जानकारी ऑनलाइन दर्ज की जानी है। इससे पूर्व उक्त



भवन, शौचालय, पेयजल आदि की जानकारी ऑनलाइन ही भरी जानी है। प्रशिक्षण में श्याम कुमारी यादव, अंसारपाल एवं प्रकाश रंजन, प्रकाश रंजन, सर्विजय खलखले, संतोष कुमार, जीतेन्द्र मिलता, धैर्यंद सोनी, उपेन्द्र ठाकुर, निधि गुरुता, संजीव कुमार, दिनबंधु डे, सुशील रजक इमितायाज अहमद, जयेद अंसारी, पवन साहू, रामपाल प्रजापाति विद्यालय की आधारभूत जानकारी, उपलब्ध संसाधन, परियोजना कर्मी उपस्थिति थे।

पेट्रोल पंप और जेवर दुकान के सीसीटीवी कैमरे की हुई जांच

लोहरदगा। जिला में आये दिन बदले अपरिविक की घटनाओं के लिए लोकर लोकर जिला के सभी थानों में विशेष अभियान चलाते हुए अपराध नियन्त्रण को ले जिले भर के बैंक, पेट्रोल पंप, जूलरी शॉप में लगे सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड सभी प्रकार के वाहनों की जांच में सुरक्षा के अन्य इतनाजों की जांच की।

लोहरदगा एसपी आर गमनकुमार के विदेश पर यह अभियान चला। हाल के दिनों में चोरी और अन्य अपराधों में इन्जाफ हुआ है। इसे देखते हुए पुलिस ने यह कर्म उठाया है। सभी दुकानदारों से कहा गया कि वह अपने सीसीटीवी कैमरों को दुर्स्त रखें साथ ही सुरक्षा गार्ड प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर बनाये रखें।

मारपीट करने का मामला दर्ज

कैरो/लोहरदगा। कैरो थाना में छेंछाड़ और मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। कैरो थाना के थाना मुख्यालय गांव के जुगु महतो के पुत्र राजकुमार महतो ने कैरो नवाटोली निवासी जनील खान के दो पुत्र लुटवा खान, खान के विशुद्ध गर्ववती के द्वारा जानकारी देते हुए उपरांग में तिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया। तिखित आवेदन के अनुसार कैरो थाना कांड संख्या 49/22 धारा 341 323 307 354 504 506/34 भावित के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गयी।

नगरपालिका निर्वाचन से संबंधित बैठक हुई

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)

अरविंद कुमार लाल की अधिक्षकता में नारपालिका (आम) निर्वाचन 2022-23 से संबंधित बैठक समाप्त हो गई।

बैठक में सभी निवाचन पत्रक्रियाओं को विशेष

पत्र भरे जाने, आवश्यक प्रमाण पत्रों की प्रति प्राप्त करना, अध्यर्थी के व्यवहार से संबंधित बैठक के लिए अध्यर्थी का जानकारी अवश्यक है।

निवाचन पत्रक्रियाओं को विशेष

पत्र भरे जाने, आवश्यक प्रमाण

पत्रों की प्रति प्राप्त करना, अध्यर्थी के व्यवहार से संबंधित बैठक के लिए अध्यर्थी का जानकारी अवश्यक है।

निवाचन पत्रक्रियाओं को विशेष

पत्र भरे जाने, आवश्यक प्रमाण

पत्रों की प्रति प्राप्त करना, अध्यर्थी के व्यवहार से संबंधित बैठक के लिए अध्यर्थी का जानकारी अवश्यक है।

निवाचन पत्रक्रियाओं को विशेष

पत्र भरे जाने, आवश्यक प्रमाण

पत्रों की प्रति प्राप्त करना, अध्यर्थी के व्यवहार से संबंधित बैठक के लिए अध्यर्थी का जानकारी अवश्यक है।

निवाचन पत्रक्रियाओं को विशेष

पत्र भरे जाने, आवश्यक प्रमाण

पत्रों की प्रति प्राप्त करना, अध्यर्थी के व्यवहार से संबंधित बैठक के लिए अध्यर्थी का जानकारी अवश्यक है।

निवाचन पत्रक्रियाओं को विशेष

पत्र भरे जाने, आवश्यक प्रमाण

पत्रों की प्रति प्राप्त करना, अध्यर्थी के व्यवहार से संबंधित बैठक के लिए अध्यर्थी का जानकारी अवश्यक है।

निवाचन पत्रक्रियाओं को विशेष

पत्र भरे जाने, आवश्यक प्रमाण

पत्रों की प्रति प्राप्त करना, अध्यर्थी के व्यवहार से संबंधित बैठक के लिए अध्यर्थी का जानकारी अवश्यक है।

निवाचन पत्रक्रियाओं को विशेष

पत्र भरे जाने, आवश्यक प्रमाण

पत्रों की प्रति प्राप्त करना, अध्यर्थी के व्यवहार से संबंधित बैठक के लिए अध्यर्थी का जानकारी अवश्यक है।

निवाचन प

